भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 461

बुधवार, 20 जुलाई, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना

461. श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:
डॉ. रमापति राम त्रिपाठी:
श्री बृजभूषण शरण सिंह:
श्री संगम लाल गुप्ता:
श्री सी.आर. पाटिल:
श्री पी.पी. चौधरी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना से वित्तपोषण प्राप्त करने वाले स्टार्टअप की स्टार्टअप-वार ब्यौरा और उनकी कुल संख्या कितनी है;
(ख) पिछले तीन वर्षों में पंजीकृत स्टार्टअप की संख्या कितनी है; और
(ग) क्या वित्तपोषण के अलावा देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की कोई अन्य योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क): स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) दिनांक को राजपत्र अधिसूचना एसओ 414 (ई) 21 जनवरी 2021 के तहत अधिसूचित किया गया था। एसआईएसएफ़एस के तहत, 2021-22 से शुरू होकर 4 वर्ष की अवधि के लिए 945 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। स्टार्टअप्स के लिए कॉल फॉर एप्लिकेशन को 19 जुलाई 2021 को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शुभारंभ किया गया। 30 जून 2022 तक, योजना के तहत वित्त पोषण के लिए अनुमोदित इन्क्यूबेटरों द्वारा 428 स्टार्टअप का चयन किया गया है। चयनित स्टार्टअप्स को निधियन लक्ष्य आधारित किस्तों में वितरित की जा रही हैं। ये लक्ष्य प्रोटोटाइप के विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार लॉन्च आदि से संबंधित हैं।

30 जून 2022 तक, 428 स्टार्टअप्स को कुल 75.875 करोड़ रुपये अनुमोदित किए गए हैं, जिनमें से 125 स्टार्टअप्स को योजना के तहत 14.226 करोड़ रुपये प्राप्त हो गए हैं। स्कीम के अंतर्गत संवितरित निधियों की स्टार्टअप-वार राशि **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ख): स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा संस्थाओं को जीएसआर अधिसूचना 127 (ई) दिनांक 19 फरवरी, 2019 के तहत निर्धारित

पात्रता शर्तों के अनुसार स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। गत तीन वर्षों में (2019 से 2021), 46,173 संस्थाओं को स्टार्टअप के रूप में मान्यता प्रदान की गई।

(ग) : स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका 16 जनवरी 2016 को शुभारम्भ किया गया। इसका उद्देश्य देश में नवप्रवर्तन और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो **अनुबंध-II** में दिये गए हैं।

***

अनुबंध-I

दिनांक 20.07.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 461 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्र. सं.	**स्टार्टअप का नाम**	**स्वीकृत निधि (करोड़ रु.)**	**वितरित की गई निधि (करोड़ रु.)**
1	टेकप्रोम आईओटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.25
2	अरिश्ती साइबरटेक प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.11
3	एलो ईसेल प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.2
4	मैनी रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.07
5	विवालिफ इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.2
6	स्टाइलरेंट प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.17
7	वाटर एन स्पाइसेस फ़ूड्सज़ प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
8	रंगिएरो प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.4

9	रोडमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.4
10	एनमज़ इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.12
1 1	ग्रिटियर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.03
12	बायोवेंटिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.07
13	थ्रेमियर प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.15
14	एक्साइट विज़न एंड रिटेल टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.16
15	एनडब्ल्यू इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
16	सिम्बियन लैब्स एंड साइंटिफिक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
17	इस्मो बायो-फोटोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.05
18	ब्रेनेबल सर्किट्स प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.25
19	एल्सावी पावर एलएलपी	0.2	0.1
20	सुनो किताब प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.07
21	एक्सेलेर्ड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.03
22	ओवेस्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.06
23	क्यूबयोजेन एलएलपी	0.05	0.03
24	अरमा सिटीजन वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.15
25	क्रिकिनशॉट्स गेमिंग प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.049
26	यजेन रोबोटिक्स	0.25	0.09
27	करियट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.1
28	सिमेंटिक वेब इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.14
29	ट्रैकहेल्थ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.175
30	वस्थक प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.05
31	श्रूम टेक्नोलॉजीज एलएलपी	0.06	0.03
32	अभौना मेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
33	राप्ती एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	0.35	0.2
34	अमेन टेक एंड नेटवर्किंग एलएलपी	0.15	0.1
35	परमाणु डेटा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.04
36	एज़्पर साइंस प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.05
37	ई-ट्रेनर एनालिटिक्स विजार्ड प्राइवेट लिमिटेड	0.04	0.03
38	निष्काम टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.1
39	वेरेहैब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
40	एलेमेनो प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.1
41	एआइटेस्टिफाइड प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.16
42	अर्थवेदिका टेक प्राइवेट लिमिटेड	0.04	0.015
43	प्रोप्लांट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
44	इनवेरिएंस ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड	0.08	0.032
45	श्री विजयदसरु सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड	0.35	0.21

46	मैक्रोगार्डेन्स प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.04
47	एयरथ रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.3
48	एसएनएम इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.03
49	बोमलाइफ प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.05
50	ऑक्सी न्यूरॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.4
51	ट्रीकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.04	0.016
52	फोनोलॉजिक्स हेल्थ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.14
53	कोएक्सिन टेक्नोलॉजीज हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.07
54	मायरा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
55	आर्म्स 4 एआई प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
56	टेकोरेंज इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
57	एस्पिक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.14
58	अल्ट्राइंस्टिंक्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.105
59	मैपडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.098
60	एर्गन मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.25
61	वारार एनर्जी	0.106	0.032
62	स्ट्रीकॉम नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.04
63	स्टारविक एडु टेक एलएलपी	0.1	0.05
64	आर्टफिल्स ऑनलाइन लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
65	संपर्कबिन्दु सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.075
66	लिखोट्रोनिक्स टेक प्राइवेट लिमिटेड	0.085	0.066
67	शेफ़केप इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
68	स्पीडलूप ऑटो प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.3
69	सारका टेक (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.03
70	फ्रेसैबिट हाइजीन प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.21
71	सिग्नल बायोमेडिकल प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
72	नेवर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	0.142	0.099
73	ब्रोकू प्राइवेट लिमिटेड	0.12	0.048
74	मोक्कोमोटो (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	0.17	0.068
75	इनोवोसेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
76	स्किल्डजायर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.08
77	अपकेमी प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.12
78	एक्यूमेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.05
79	इलेक्ट्रोलॉजिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.2
80	एप्लाइड जीनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.2
81	नर्चर फील्ड्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
82	एनयू पेमेंट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.15

83	इलेक्ट्राइड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.4	0.16
84	लेनेक टेक्नोलॉजीज	0.2	0.09
85	ओलीक लॉजी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.049	0.015
86	अयान डेटा साइंस प्राइवेट लिमिटेड	0.25	0.15
87	जल जैविक बाजार प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.06
88	वेम्सा बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.12
89	यंत्रममेडटेक प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
90	फ्यूचरगुरुकुल्सएडुटेक प्राइवेट लिमिटेड	0.113	0.034
91	डुअलसेफ प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.03
92	फ्लोगेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.145	0.102
93	एनजिन एक्सपीरियंस प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.05
94	वलेरियाहेल्थटेक प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
95	मिल्कविला प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.2
96	धाराक्षा इकोसोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड	0.06	0.03
97	विमान एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज एलएलपी	0.05	0.025
98	फ्रेनवी प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.15
99	हिल्स बायो इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.025
100	डायग्नीफाई वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
101	असिस्टेड हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.06
102	गोल्ड एंड ग्लिटर प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.15
103	मेंड अर्थ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.06	0.03
104	क्विकस्टे प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.03
105	बुकवाला डी2 डी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	0.05	0.02
106	सास्किया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.075
107	एड्रिवेनिट इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.075
108	बायोअर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
109	रेडिसिन मेडसोल प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.065
110	विश्वाज़ एआई (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.2
111	स्टिल्सवेब टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.08
112	ब्लर्ग्स इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
113	एरीते बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
114	मेइरो मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.02
115	नरडलीटिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.2
116	इंडिगार्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	0.045	0.014
117	मेदिसेवा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.35	0.193
118	टीमविजन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.2
119	एक्स्पिल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.3	0.1

120	2एस डेयरी डेली प्रोडक्ट्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.075
121	बीटेक स्मार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	0.15	0.06
122	वीडी सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड	0.1	0.02
123	सुपररेज़ लाइफसाइंसेज एलएलपी	0.2	0.12
124	रोबोटिक्स एग्टैक प्राइवेट लिमिटेड	0.5	0.2
125	आर्टिकुलस सर्जिकल प्राइवेट लिमिटेड	0.2	0.1
	कुल	**26.605**	**14.226**

अनुबंध-II

दिनांक 20.07.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 461 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

<u>स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत शुरू किये गये कार्यक्रम</u>

स्टार्टअप के तहत देश भर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

1. **<u>स्टार्टअप इंडिया कार्य योजना:</u>** 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया के लिए एक कार्य योजना आरंभ की गई थी। इस कार्य योजना में 19 कार्य मदें शामिल हैं जो विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं जैसे "सरलीकरण एवं सहायता", "निधीयन सहायता और प्रोत्साहन" तथा "उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी और इंक्यूबेशन"। इस कार्य योजना में देश में एक वाईब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम के सृजन के लिए सरकारी सहायता, स्कीमों और प्रोत्साहनों की शुरूआत करने की परिकल्पना की गई है।

2. **<u>स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस) स्कीम:</u>** सरकार ने स्टार्टअप्स की निधीयन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 10,000 करोड़ रुपए के कॉर्पस के साथ एफएफएस स्थापित किया है। डीपीआईआईटी एफएफएस की निगरानी एजेंसी है तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) इसकी प्रचालन एजेंसी है। 10,000 करोड़ रुपए के कुल कॉर्पस को स्कीम की प्रगति और निधियों की उपलब्धता के आधार पर 14वें और 15वें वित्त आयोग के कार्यकाल के दौरान उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है। इसने न सिर्फ प्रारंभिक चरण में, शुरूआती स्तर और विकास स्तर पर स्टार्टअप्स के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है बलकि घरेलू पूंजी एकत्र करने की सुविधा के संदर्भ में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाकर विदेशी पूंजी पर निर्भरता को कम किया है और घरेलू रूप से विकसित और नये वेंचर कैपिटल फंड को बढ़ावा दिया है।

3. **<u>विनियामक सुधार</u> :** ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने,स्टार्ट परिवेश के लिए पूंजी जुटाने को आसान बनाने और अनुपालन बोझ को कम करने के लिए वर्ष 2016 से सरकार ने 52 विनियामक सुधार किए हैं।

4. **<u>बौद्धिक संपदा संरक्षण के लिए सहायता:</u>** स्टार्टअप पेटेंट आवेदनों की त्वरित जांच और निपटान के लिए पात्र हैं। सरकार ने स्टार्टअप्स बौद्धिक संपदा संरक्षण (एसआईपीपी) की शुरूआत की है जो स्टार्टअप्स को पंजीकृत सुविधा प्रदाताओं के जरिये उपयुक्त आईपी कार्यालयों में केवल सांविधिक शुल्क का भुगतान करके पेटेंट डिजाइन तथा व्यापार चिह्न के लिए आवेदन फाइल करने की सुविधा प्रदान करता है। इस स्कीम के तहत सुविधा प्रदाता विभिन्न आईपीआर संबंधी सामान्य परामर्श तथा अन्य देशों में आईपीआर का संरक्षण एवं संवर्धन करने संबंधी

जानकारी प्रदान करने के लिए उत्तरदायी हैं। सरकार पेटेंट, व्यापार चिह्न अथवा डिजाइन के लिए सुविधा प्रदाताओं के पूरे शुल्क को वहन करती है, चाहे उनकी संख्या कितनी भी क्यों न हो तथा स्टार्टअप्स केवल देय सांविधिक शुल्क की लागत को वहन करते हैं। स्टार्टअप्स को अन्य कंपनियों की तुलना में पेटेंट फाइल करने में 80 प्रतिशत की छूट तथा व्यापार चिह्न फाइल करने में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है।

5. **श्रम और पर्यावरण कानूनों के तहत स्व-प्रमाणन:** स्टार्टअप्स को निगमन की तारीख से 3 से 5 वर्ष की अवधि के लिए, 9 श्रम और 3 पर्यावरण कानूनों के तहत उनके अनुपालन के स्व-प्रमाणित करने के लिए अनुमति दी जाती है।

6. **3 वर्ष के लिए आयकर में छूट:** 1 अप्रैल, 2016 को या उसके बाद निगमित स्टार्टअप्स आयकर छूट के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को अंतर-मंत्रालयी बोर्ड का प्रमाण-पत्र प्राप्त है, उन्हें निगमन से लेकर 10 वर्ष की अवधि में से लगातार 3 वर्षों के लिए आयकर से छूट मिलती है।

7. **भारतीय स्टार्टअप्स की अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच:** स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत प्रमुख उद्देश्यों में से एक विभिन्न संपर्क मॉडलों के जरिये भारतीय स्टार्टअप परिवेश को वैश्विक स्टार्टअप परिवेशों के साथ जुड़ने में मदद करना है। यहां अंतर्राष्ट्रीय रूप से सरकार से सरकार के बीच भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी तथा वैश्विक समारोहों के आयोजन के जरिये किया गया है। स्टार्टअप इंडिया ने 15 से अधिक देशों (ब्राजील, स्वीडन, रूस, पुर्तगाल, यूके, फिनलैंड, नीदरलैंड, सिंगापुर, इजराइल,जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, क्रोएशिया, कतर और यूएई) के साथ संपर्क स्थापित किया है जो भागीदार राष्ट्रों के स्टार्टअप्स के लिए सुविधाजनक प्लेटफॉर्म और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहायता प्रदान करता है।

8. **स्टार्टअप के लिए त्वरित निकास:** सरकार ने स्टार्टअप्स को 'फास्ट ट्रैक फर्म' के रूप में अधिसूचित किया है जिससे वे अन्य कंपनियों के लिए निर्धारित 180 दिनों की तुलना में 90 दिनों के भीतर प्रचालन का समापन करने में सक्षम होते हैं।

9. **स्टार्टअप इंडिया हब:** सरकार ने 19 जून 2017 को एक स्टार्टअप इंडिया ऑनलाइन हब का शुभारंभ किया है जो भारत में उद्यमिता परिवेश के सभी हितधारकों के लिए अपनी तरह का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है ताकि वे एक-दूसरे का पता लगाया जा सके, जुड़ा जा सके और संलग्न हुआ जा सके। ऑनलाइन हब स्टार्टअप्स, निवेशकों, फंड्स, मेंटर्स, शैक्षणिक संस्थानों, इंक्यूबेटर्स, कार्पोरेट, सरकारी निकायों और अन्य को होस्ट करता है।

10. **अधिनियम (2019) की धारा 56 की उप-धारा (2) के खंड(vii) (ख) के प्रयोजन के लिए छूट:** डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप आयकर अधिनियम की धारा 56(2)(vii)(ख) के प्रावधानों से छूट के पात्र हैं।

11. **स्टार्टअप इंडिया शोकेस:** स्टार्टअप इंडिया शोकेस वर्चुअल प्रोफाइल के रूप में प्रदर्शित स्टार्टअप के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से चुने गए देश के सर्वाधिक संभावना वाले स्टार्टअप्स के लिए एक ऑनलाइन डिस्कवरी प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म पर दर्शाए गए स्टार्टअप अपने क्षेत्र में सर्वोत्तम स्टार्टअप के रूप में उभरे हैं। ये नवप्रयोग अन्य के साथ-साथ फिनटेक, एंटरप्राइजटेक, सामाजिक प्रभाव, हेल्थटेक, एडटेक जैसे विभिन्न अत्याधुनिक क्षेत्रों से हैं। इन स्टार्टअप्स ने महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान किया है और अपने संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्ट नवप्रयोग दर्शाया है। परिवेश संबंधी हितधारकों को पोषित किया है और सहायता प्रदान की है और इस प्रकार इस मंच पर अपनी उपस्थिति को वैध ठहराया है।

12. **<u>राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद</u>:** सरकार ने देश में नवप्रयोग और स्टार्टअप को बढावा देने के लिए एक सशक्त परिवेश के निर्माण हेतु आवश्यक उपायों पर सरकार को सलाह देने के लिए जनवरी, 2020 राष्ट्रीय स्टार्टअप परिषद को अधिसूचित किया ताकि सतत आर्थिक विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन किया जा सके। पदेन सदस्यों के अतिरिक्त इस परिषद में कई गैर-सरकारी सदस्य हैं जो स्टार्टअप परिवेश के विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

13. **<u>स्टार्टअप इंडिया- आगे की राह:</u>** स्टार्टअप इंडिया के 5 वर्ष पूरे होने पर समारोह में स्टार्टअप इंडिया- आगे की राह का शुभारंभ 16 जनवरी 2021 को किया जिसमें स्टार्टअप्स के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रोत्साहन के लिए कार्रवाई योग्य योजना, विभिन्न सुधारों को लागू करने में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका, हितधारकों की क्षमता निर्माण और डिजिटल आत्मनिर्भर भारत को सक्षम बनाना शामिल है।

14. **<u>स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस):</u>** किसी उद्यम के विकास के आरंभिक स्तरों पर उद्यमों के लिए पूंजी की आसान उपलब्धता अनिवार्य है। इस स्तर पर अपेक्षित पूंजी, बेहतर व्यवसाय आइडिया वाले स्टार्टअप्स के लिए बने रहने या समाप्त होने की स्थिति उत्पन्न कर देती है। इस स्कीम का उद्देश्य संकल्पना के साक्ष्य, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार प्रवेश और वाणिज्यीकरण के लिए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। वर्ष 2021-22 से आरंभ करके 4 वर्षों की अवधि के लिए एसआईएसएफएस स्कीम के अतंर्गत 945 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं।

*****